

CLASS : VI

ENGLISH WEEKLY STUDY MATERIAL (27/10/2020 – 31/10/2020)

TOPIC: LITERATURE : MARY KOM :NEVER SAY DIE!

MCQ PRACTICE ASSIGNMENT - 3

LEARNING OBJECTIVES:

- * Students will be able to read and comprehend the story in their own words.
- * Students will be able to attempt the chapter based comprehension exercises as per their own understanding.
- * They will be encouraged to attempt the quiz assignment on their own for better understanding.

Literature: Mary Kom : Never Say Die!

- Individual reading along with the explanation of the chapter will be done. Later on, textbook exercises based on vocabulary, Grammar and Punctuation will also be discussed. (Page no. 90-93)

COMPREHENSION EXERCISES:

- **Students will be asked to make a web organiser based on the qualities that are essential for success in sports.**

1. NEW WORDS:

- a) **tenacity – persistence**
- b) **obstacles – hurdle**
- c) **predominantly – chiefly**
- d) **proactively- foresighted**
- e) **myth – misconception**
- f) **diminutive – extremely or unusually small**
- g) **introspection – self- observation**

II. Frame Sentences:

- a) passionate –
- b) opponent –
- c) convince-
- d) enthusiasm –
- e) equipment –

III. Answer the following questions: (To be discussed and done in the notebook)

1. What are Mary Kom’s most important achievements? What essential lessons has her journey taught her?
2. “ I think we need to change our attitude towards the sport itself.” Why does Mary think so?
3. What was Mary’s inspiration?
4. How did Mary train herself for the sport?
5. What is Mary’s advice to other Indian women?

Life Skill based question:

1. Problems are part of life. Learning to resolve them often takes time and practice. Mention one problem that you had at school/ with friends. How did you resolve it?

MCQ PRACTICE ASSIGNMENT LINK

- Kindly login to the given link and attempt the quiz.

URL :

<https://classroom.google.com/u/0/w/OTE5MDQ2NTI2NTNa/tc/MTk4NTcyMzM1Mzcx>

कक्षा -VI

विषय – समास (हिन्दी व्याकरण)

Link - <https://youtu.be/bfwdTLR3OB8>

मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ

लोकोक्ति की परिभाषा

किसी भी समृद्ध भाषा में कुछ ऐसे वाक्य प्रयोग किये जाते हैं जो न केवल भाषा के सौंदर्य को बढ़ा देते हैं बल्कि वाक्य के सामान्य अर्थ को पूर्णस्पष्ट और प्रभावशाली बना देते हैं। लोकोक्तियों या , कहावतों का प्रयोग भी इसी सन्दर्भ में किया जाता है। लोकोक्तियाँ वास्तव में किसी विशेष स्थान पर मशहूर हो जाने वाले कथन होते हैं जिनका प्रयोग करके अपने वाक्य या अपनी बात पर विशेष जोर दिया जाता है। लोकोक्तियाँ बहुत ज्यादा प्रचलित और लोगों के मुंहलगे वाक्य होते हैं। ये आम जनमानस द्वारा स्थानीय बोलियों में हर दिन की परिस्थितियों से उपजने वाले वाक्य होते हैं जो किसी खास समूह या वर्ग या क्षेत्र में प्रयोग में लाये जाते हैं। लोकोक्ति गागर में सागर भरने की क्षमता होती है। यह कथन के भाव को और भी ज्यादा चित्रित और स्पष्ट कर देता है।

कुछ प्रसिद्ध और लोकप्रिय लोकोक्तियों

1. **अंधेर नगरी चौपट राजा टके सेर भाजी टके सेर खाजा** – (अयोग्य प्रशासन में धाधली रहती है) – मिल मालिक विलास में मस्त रहते है , श्रमिक मौज मारते है इसी को कहते है – अंधेर नगरी चौपट राजा टके सेर भाजी टके सेर खाजा
2. **अपनी –अपनी डफली अपना – अपना राग** – (जब सब लोग अलग – अलग व्यवहार करें तब ऐसा कहा जाता है) – वहाँ तो सबकी अपनी – अपनी डफली अपना – अपना राग था , इकट्ठे मिलकर किसी ने भी समस्या पर विचार नहीं किया
3. **अंधा क्या चाहे दो आँखे** – (मनचाही वस्तु प्राप्त होने पर क्या चाहिए) – जब मेने उसे चलचित्र देखने के लिए चलने को कहा तो वह प्रसन्नता से झूम उठा और कहने लगा – अंधा क्या चाहे दो आँखे
4. **आँख का अँधा गाँठ का पूरा** – (मुख किंतु धनी) – रमेश के पास अक्ल कुछ भी नहीं है लेकिन उसकी दुकान में आमदनी बहुत है यह तो यही बात हुई है कि आँख का अँधा गाँठ का पूरा
5. **आम के आम गुठलियों के दाम** – (दोहरा लाभ) – आजकल तो अखबार की रद्दी भी अच्छे भाव पर बिक जाती है यह तो आम के आम गुठलियों के दाम वाली बात है
6. **आसमान से गिरा खजूर में अटका** – (एक विपत्ति से छुटकर दूसरी में फंस जाना) – वह पुलिस के पंजे से छुटा ही था कि कर – विभाग के चुंगल में फंस गया , उसके लिए तो यह आकाश से गिरा और खजूर में अटका वाली बात हो गई
7. **अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता** – (एक व्यक्ति कोई बड़ा कार्य नहीं कर सकता) – तुम अकेले उस संस्था का कार्य नहीं सभाल सकते , क्या तुम नहीं जानते कि अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता
8. **एक अनार सौ बीमार** – (वस्तु कम चाहने वाले अधिक) – यदि किसी कार्यालय में एक स्थान की रिक्ति होती है तो उसकी पूर्ति के लिए सैकड़ों प्रार्थना पत्र आते है , इसी को कहते है एक अनार सौ बीमार
9. **एक हाथ से ताली नहीं बजती** – (झगड़ा दोनों तरफ के ही कारण होता है) – रमेश से जरूर तुमने पहले कुछ कहा होगा , इसलिए उसने तुम्हें चाटा मारा क्योंकि एक हाथ से ताली नहीं बजती
10. **एक पंथ दो काज** – (एक उपाय से दो कार्य होना) – भैया हरिद्वार में नौकरी करते है वहाँ जाकर भैया से भी मिल लेंगे और गंगा स्नान भी कर लेंगे इसे कहते है एक पंथ दो काज
11. **अंधी पिसे कुत्ता खाए** – (मुख की कमाई दुसरे खाते है) – सुनील कमाई तो बहुत कर रहा है लेकिन इधर – उधर के झगड़ों में सारी कमाई वकीलों पर खर्च कर रहा है , सत्य ही कहा गया है कि अंधा पिसे कुत्ता खाए
12. **देखें ऊंट किस करवट बैठता है** – (देखें क्या परिणाम निकलता है) – परीक्षा के पेपर तो अच्छे हो गए है , देखें ऊंट किस करवट बैठता है

13. **नया नौ दिन पुराना सौ दिन** – (नए की अपेक्षा पुराना स्थिर है) – तुम अपने विश्वास – पात्र मित्रों को छोड़कर नए के पीछे मत भागो , क्या तुम्हें मालूम नहीं नया नौ दिन पुराना सौ दिन
14. **नाम बड़े दर्शन छोटे** – (प्रसिद्धि अधिक किंतु तत्व कुछ भी नहीं) – उस विद्यालय की प्रसिद्धि तो बहुत सुन रखी थी पर पढ़ाई कुछ भी नहीं , इसी को कहते हैं नाम बड़े दर्शन छोटे
15. **नाच न जाने आंगन टेढ़ा** – (गुण न होने पर बहाने बनाना) – अरे तुम्हें सिलाई करनी तो आती नहीं और दोष निकाल रही हो कपड़े में , इसी को कहते हैं नाच न जाने आंगन टेढ़ा

मुहावरे की परिभाषा

मुहावरे किसी भाषा का श्रृंगार होते हैं ये भाषा को सुन्दर, कलात्मक, सुदृढ़, गतिशील और रोचक बनाते हैं। मुहावरे भाषा और वाक्य को स्पष्ट और चित्रमय बनाते हैं। मुहावरे किसी न किसी व्यक्ति के अनुभव पर आधारित होते हैं। मुहावरों के शब्दों की अपनी अहमियत होती है और ये ज्यों के त्यों वाक्य में प्रयुक्त होते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो मुहावरों में प्रयुक्त शब्दों को उन्हीं के पर्यायवाची शब्दों से बदल कर प्रयोग किया जाय तो न केवल उसकी खूबसूरती समाप्त हो जाती है बल्कि उनके अर्थ भी बदल जाते हैं। उदाहरण के लिए पानी पानी होना की जगह जल जल होना प्रयोग करें तो वाक्य का सौंदर्य और भाव दोनों समाप्त हो जायेगा।

मुहावरें वास्तव में एक पूर्ण वाक्य न होकर वाक्यांश होते हैं। ये किसी वाक्य में प्रयुक्त होकर ही वाक्य को रोचक और प्रभावशाली बनाते हैं।

मुहावरों के कुछ उदाहरण

1. **अंधे की लकड़ी** – (एक मात्र सहारा) – मुकेश ही बुढ़ापे में मुझ अंधे की लकड़ी है
2. **अंग – अंग ढीला होना** – (थक जाना) – दिन भर काम करने से मजदूर का अंग – अंग ढीला हो जाता है
3. **अंगूठा दिखाना** – (विश्वास दिलाकर मौके पर इंकार कर देना) – नेता लोग चुनाव के दिनों में अनेक वायदे करते , परन्तु बाद में अंगूठा देखा देते हैं
4. **अपनी खिचड़ी अलग पकाना** – (सबसे अलग रहना) – सबके साथ मिलकर रहना चाहिए , अपनी खिचड़ी अलग पकाने से कोई लाभ नहीं
5. **अंगुली उठाना** – (दोष लगाना) – कर्तव्य का पालन करने वाले व्यक्ति पर कोई अंगुली नहीं उठा सकता
6. **आग बबूला होना** – (बहुत क्रोधित होना) – मोहन की खरी खोटी बात सुनकर राकेश आग बबूला हो गया
7. **आँखों का तारा** – (बहुत प्यारा) – मोहन अपने माता पिता का आँखों का तारा है
8. **आस्तीन का सांप** – (धोखेबाज) – अरे विकास उसकी बातों में मत आना वह तो निरा आस्तीन का सांप है
9. **इधर – उधर की हांकना** – (व्यर्थ गप्पे मरना) – सदन सदैव इधर – उधर की हांकता रहता है
10. **उलटी गंगा बहना** – (उलटी बातें होना) – आजकल माता पिता बच्चों से डरने लगे हैं अब उलटी गंगा भ रही है
11. **उन्नीस बीस का अंतर** – (बहुत कम अंतर) – राकेश तथा सदन में उन्नीस बीस का अंतर है
12. **कलम तोड़ना** – (बहुत सुंदर लिखना) – जयशंकर प्रसाद ने ' कामायनी ' लिखने में कलम तोड़ दी

13. **काम तमाम करना** – (मार देना) – तलवार के एक ही वार से मोहन ने अपने सत्रु का काम तमाम कर दिया
14. **कान पर जूं न रेंगना** – (कुछ असर न होना) – मैं विकास को समझाकर हार गया हूँ लेकिन उसके कान पर जूं तक नहीं रेंगती
15. **खून खौलना** – (जोश आना) – शत्रुओं की टुकड़ी देखकर भारतीय जवानों का खून खौल उठा

प्रश्न. सही विकल्प चुनके मुहावरे पूरे करिये

1. जल में रहकर से बैर

क. कछुए

ख. मेंढक

ग. मगर

घ. सर्प

2. दूध का जला भी फूँककर पीता है ।

क. मट्टा

ख. ठंडा

ग. पानी

घ. छाछ

3. घर की मुर्गी बराबर

क. मिठाई

ख. खिचड़ी

ग. दाल

घ. खीर

4. उलटा चोर को डाँटे

क. द्वारपाल

ख. सिपाही

ग. साथी

घ. कोतवाल

5. खोदा पहाड़ निकली

क. पुडिया

ख. चुहिया

ग. चींटी

घ. तितली

गतिविधि

- मुहावरों का प्रयोग करते हुए एक लघु कथा लिखिए

गतिविधि उद्देश्य

- कहानी, रचना व काल्पनिक शक्ति का विकास

CLASS -VI

SUBJECT- Mathematics

WORKSHEET- Chapter 7 - Fractions

Learning outcomes- To list the fractions in ascending and descending order

To add, subtract and compare the fractions.

To be able to relate and apply the concept of fractions in daily life.

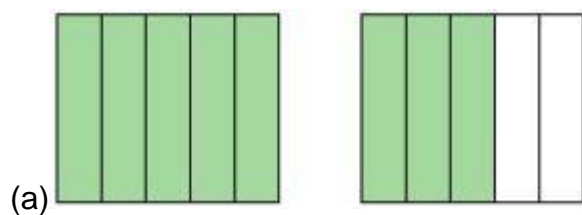
Activities To represent the given fractions through diagrams and real life objects

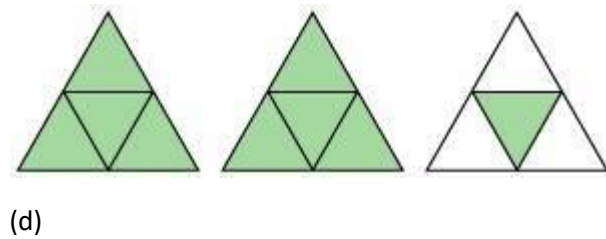
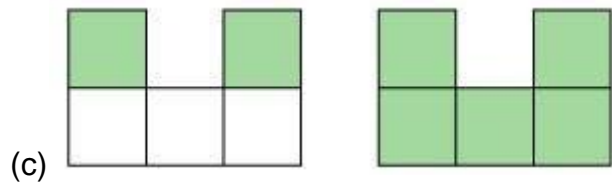
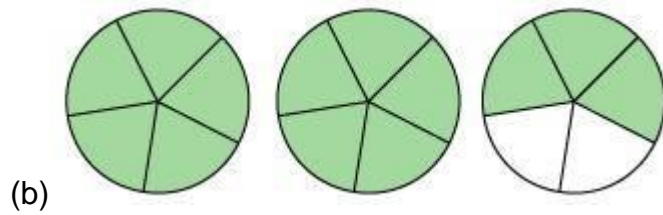
Material requires Origami sheet, colours, pencil, ruler

Procedure- Represent $\frac{1}{4}$, $2\frac{3}{4}$, $\frac{5}{6}$, $\frac{2}{3}$

Arrange in ascending order.

Q1 In which of the following figures does the shaded region represent the fraction ?





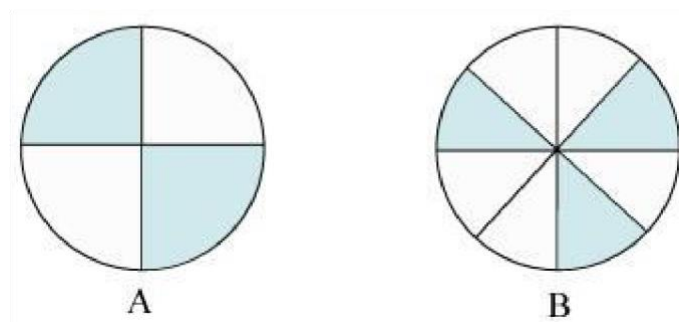
Q2. Which fraction is represented by the point marked in the given number line?



- (a) $\frac{11}{8}$ (b) $\frac{11}{3}$ (c) $\frac{8}{11}$ (d) $\frac{3}{11}$

Q3. Six out of ten cars in a parking lot are red in colour .What fraction in the parking lot is red in colour?

- (a) $\frac{3}{10}$ (b) $\frac{6}{10}$ (c) $\frac{5}{10}$ (d) $\frac{8}{10}$

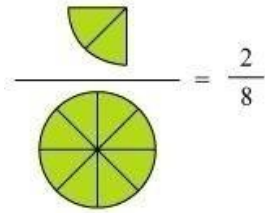


Q4. The sum of the shaded part of A and B as a fraction will be _____

Q 5 Mr Johnson divided his field plot into 16 equal parts and divided them among his family members. He gave 3 part to his wifewife 2 part to his son, 2 part to his daughter and kept 2 for himself. Who got the highest share?

- (a) Johnson himself (b) Johnson's wife
 (c) Johnson's son (d) Johnson's daughter

Q6



Which of the following figure is equivalent to the fraction shown in the given figure?

- (a) (b)
- (c) (d)

Science Worksheet
 Class-VI

Chapter: The living organisms

<https://www.youtube.com/watch?v=IMN4kottMTA>

Learning Outcomes:

- To understand the different terms such as habitat and adaptations.
- To learn about the biotic and abiotic components of environment.

1. Introduction

Different regions in the world have various types of living creatures called organisms. Even the openings of volcanoes have tiny living organisms. Even our homes are not devoid of these tiny organisms. List some of the tiny organisms which you have encountered at home!

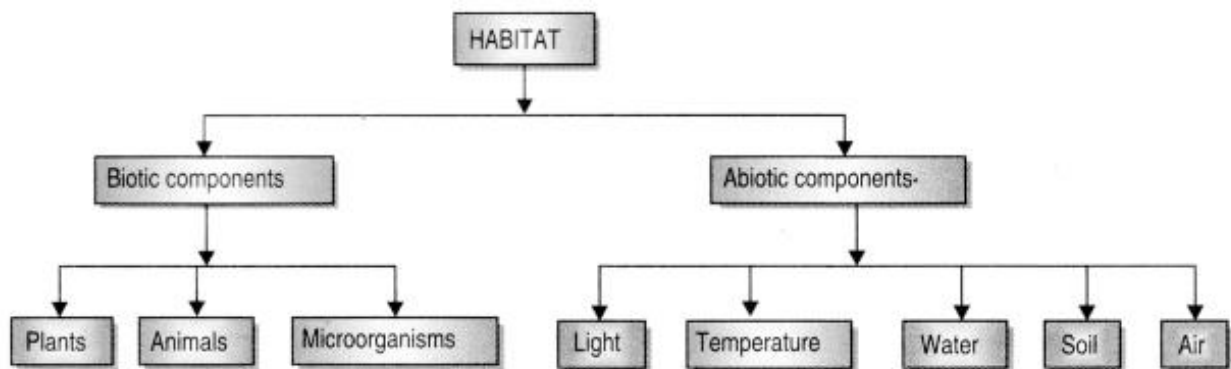
Environment: Everything that we see surrounding us; living, non-living, physical, chemical etc. is called as environment

Biotic Components: These are the living components of the ecosystem. e.g. flora and fauna

Abiotic Components: The non-living components of the ecosystem like soil, water, air etc. are called abiotic components.

1.1 Organisms and the surroundings where they live

The region or place where an organism lives is termed as its habitat. Habitat provides an organism everything it needs to survive like food, shelter, proper weather conditions such as rainfall, heat etc to breed and flourish.



Aquatic habitat

When organisms live in water, this place of living is known as aquatic habitat. Ponds, lakes, rivers, oceans, etc., are examples of aquatic habitat. Water is a medium in aquatic habitat.

Terrestrial habitat

When organisms live on land, this place of living is known as terrestrial habitat. Forests, deserts, orchards, tea gardens and mountains are the examples of terrestrial habitat. Air is the medium in terrestrial habitat.

Mountain

The mountain is a special terrestrial habitat where temperature is very low and most of the areas are covered with snow.

The plants like grasses, mosses and lichens and animals like snow bear, fox, water fowl, musk deer and wolf are found commonly in this habitat.

Several kinds of plants and animals may share the same habitat.

1.2 Adaptation:

The change of specific features and habits, which enables a plant or an animal to live in a particular habitat is called adaptation.

Camel:

It has long legs which provide protection from the heat of sand

Excrete small quantity of urine

They do not sweat and their dung is dry

Can live without water for many days as their bodies lose little water.

Test your learning:

1. Which of the following non-living things were once part of a living thing?
Butter, Leather, Soil, Wool, Electric Bulb, Cooking Oil, Salt, Apple, Rubber.
2. Name various types of habitat.
3. Give two examples of each biotic and abiotic components.
4. What adaptation of desert animals protect themselves from deficiency of water?
5. VALUE BASED QUESTION:

Radha while learning about the characteristics of living organisms studied that living organism excrete their waste out of the body. She remembered that plants are also living organisms. But she wondered how plants excrete their waste. She searched in internet to solve her query.

- (a) What are the characteristics of living organisms?
- (b) Which component is constituted by plants?
- (c) How do plant excrete their waste materials?
- (d) What value of Radha is shown here?

ACTIVITY :

On a sheet of paper, draw a diagram of a cactus and colour it. Write about the adaptations in the plant's body which help in surviving it in the desert areas.

SOCIAL SCIENCE STUDY MATERIAL

TOPIC- PANCHAYATI RAJ

Video link: <https://youtu.be/25PdBt66Rq4>

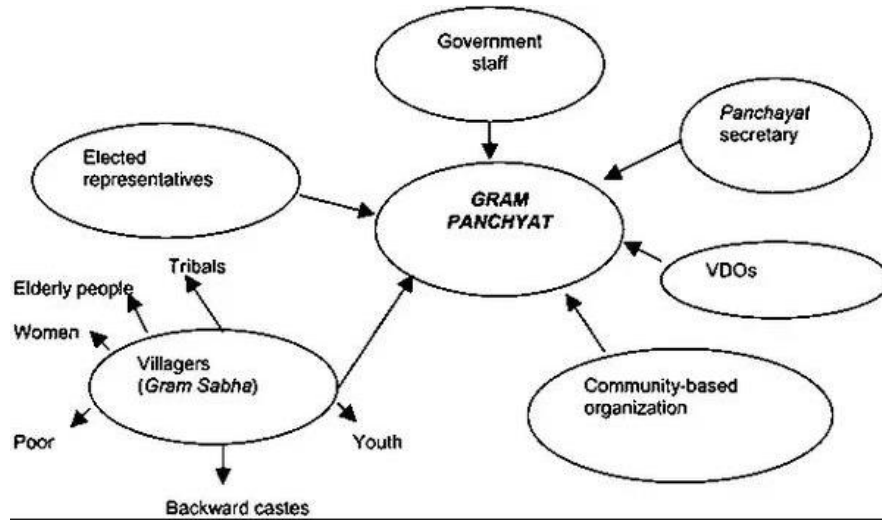
LEARNING OBJECTIVE-

Students will be able to:-

- Understand how the three levels of government function
- Understand the responsibilities and the sources of income for the Gram Panchayat

PANCHAYAT

The local governing body of a village is called Panchayat. It is also called **village council**.

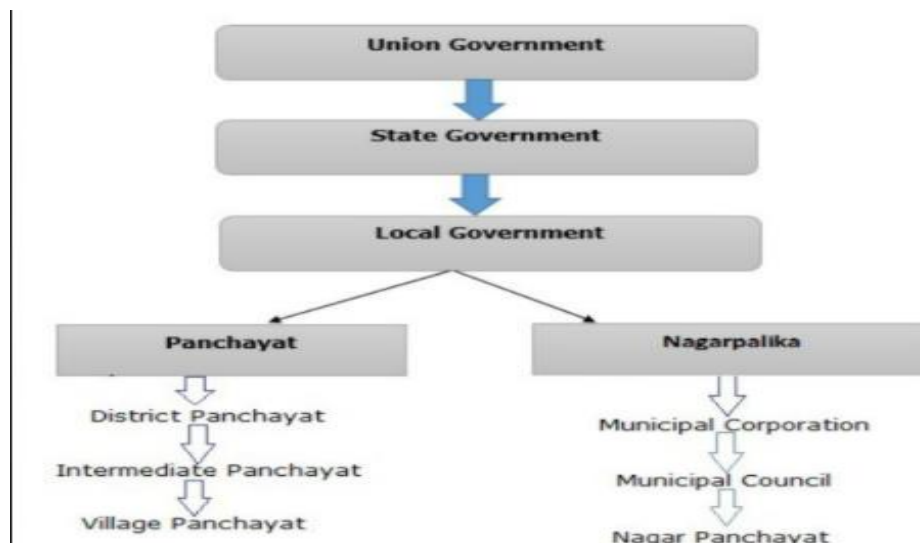


GRAM SABHA

- The Gram Sabha is a **meeting of all adults** who live in the area covered by a Panchayat.
- This could be only **one village or a group of villages**.
- Anyone who is **18 years old or more** and who has the right to vote is a member of the Gram Sabha.

GRAM PANCHAYAT

- It is the grass root level of government.
- It means the **local self government** in India.
- It is elected for a term of **5 years**.
- It meets regularly and implements development programmes for all villages that comes under it.
- Work of the Gram Panchayat has to be approved by the Gram Sabha.



WORKSHEET

I. Very short answer questions:-

1. Why is the Nirmal Gram Puruskar awarded and to whom?
2. What is the Panchayati Raj System?
3. State the reason why the Panchs and the Gram Panchayat answerable to Gram Sabha?

II. Short answer questions:-

1. List the work done by Gram Panchayat?
2. Describe the three levels of Panchayat.

III. Read the passage and answer the questions that follow:-

This idea of people's participation in the Panchayati Raj system extends to two other levels. One is the Block level, which is called the Janpad Panchayat or the Panchayat Samiti. The Panchayat Samiti has many Gram Panchayats under it. Above the Panchayat Samiti is the District Panchayat or the Zila Parishad. The Zila Parishad actually makes developmental plans at the district level. With the help of Panchayat Samitis, it also regulates the money distribution among all the Gram Panchayats. Within the guidelines given in the Constitution each state in the country has its own laws with regard to Panchayats. The idea is to provide more and more space for people to participate and raise their voices.

1. What is the purpose of Gram Panchayat?
2. List the 3 levels of Panchayati Raj System.
3. State the functions of Zila Parishad.

IV. Value based question:-

- Draw picture of 2 activities which includes work/ activity done by Panchayati Raj

• ACTIVITY

- List 2-3 developmental programme implemented in your region & suggest some improvement measures.

विषय - संस्कृत

कक्षा -VI

Link- <https://youtu.be/QryyxDXWNT0>

दशमः पाठः

कृषिकाः कर्मवीराः

पाठ का परिचय (Introduction of the Lesson)

इस पाठ में हमारे अन्नदाता किसानों की कर्मठता और उनके संघर्षमय जीवन के विषय में बताया गया है। सर्दी गर्मी के कष्टों को सहन करते हुए वे हम सब के लिए अन्न का उत्पादन करते हैं। अत्यधिक परिश्रम करने के उपरांत भी उन्हें निर्धनता का जीवन व्यतीत करना पड़ता है।

सूर्यस्तपतु मेघाः वा वर्षन्तु विपुलं जलम्।

कृषिका कृषिको नित्यं शीतकालेऽपि कर्मठौ ॥1॥

सरलार्थ :

चाहे सूरज तपाये या बादल अत्यधिक बरसें किसान तथा उसकी पत्नी सदा सर्दी में भी काम में लगे रहते हैं।

ग्रीष्मे शरीरं सस्वेदं शीते कम्पमयं सदा।

हलेन च कुदालेन तौ तु क्षेत्राणि कर्षतः ॥2॥

गर्मी में शरीर पसीने से भरा हुआ होता और ठंड में कंपनयुक्त अर्थात् काँपता रहता है किंतु फिर भी वे दोनों हल से अथवा कुदाल से खेतों को जोतते रहते हैं।

पादयोर्न पदत्राणे शरीरे वसनानि नो।

निर्धनं जीवनं कष्टं सुखं दूरे हि तिष्ठति ॥3॥

पैरों में जूते नहीं, शरीर पर कपड़े नहीं, निर्धन, कष्टमय जीवन है, सुख सदा दूर ही रहता है।

गृहं जीर्णं न वर्षासु वृष्टिं वारयितुं क्षमम्।

तथापि कर्मवीरत्वं कृषिकाणां न नश्यति ॥4॥

घर टूटा-फूटा (पुराना) है, वर्षा के समय बारिश (अर्थात् बारिश का पानी अंदर आने से) रोकने में असमर्थ है। तो भी किसानों की कर्मनिष्ठा नष्ट नहीं होती अर्थात् वे कृषि के काम में लगे रहते हैं।

शब्दार्थः



तपतु	-	तपाये, जलाये	may burn
विपुलम्	-	अत्यधिक	in large amount
कर्मठौ	-	निरन्तर क्रियाशील	active
सस्वेदम्	-	पसीने से युक्त	full of sweat
पदत्राणे	-	जूते	shoes
वसनानि	-	कपड़े	clothes
जीर्णम्	-	पुराना	old
वारयितुम्	-	दूर करने में	in removing
क्षमम्	-	समर्थ	able
सस्यपूर्णानि	-	फसल से युक्त	full of crops
धरित्री	-	पृथ्वी	earth
कण्टकावृता	-	काँटों से परिपूर्ण	full of thorns
क्षुधातृषाकुलौ	-	भूख प्यास से बेचैन	distressed with hunger and thirst

1. उच्चारणं कुरुत-



सूर्यस्तपतु	जीर्णम्	शीतकालेऽपि
वारयितुम्	ग्रीष्मे	सस्यपूर्णानि
पदत्राणे	कण्टकावृता	क्षुधा-तृषाकुलौ

2. श्लोकांशान् योजयत-

क

गृहं जीर्णं न वर्षासु

हलेन च कुदालेन

पादयोर्न पदत्राणे

तयोः श्रमेण क्षेत्राणि

धरित्री सरसा जाता

ख

तौ तु क्षेत्राणि कर्षतः।

या शुष्का कण्टकावृता।

सस्यपूर्णानि सर्वदा।

शरीरे वसनानि नो।

वृष्टिं वारयितुं क्षमम्।

3. उपयुक्तकथनानां समक्षम् 'आम्' अनुपयुक्तकथनानां समक्षं 'न' इति लिखत-

यथा- कृषकाः शीतकालेऽपि कर्मठाः भवन्ति।

आम्

कृषकाः हलेन क्षेत्राणि न कर्षन्ति।

न

(क) कृषकाः सर्वेभ्यः अन्नं यच्छन्ति।

(ख) कृषकाणां जीवनं कष्टप्रदं न भवति।

(ग) कृषकः क्षेत्राणि सस्यपूर्णानि करोति।

(घ) शीते शरीरे कम्पनं न भवति।

(ङ) श्रमेण धरित्री सरसा भवति।
